an>

title: Need to impose ban on import of synthetic menthol in the country.

**श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल) :** महोदय, मैं आपका ध्यान अतिमहत्वपूर्ण विÂषय सिंथेटिक मैंथोल का व्यापक बढ़ता आधार से प्राकृतिक मैंथोल का अस्तित्व बरकरार रख पाने की चुनौती से निपटते भारतीय किसानों की ओर से आकृÂष्ट कराना चाहता हूं।

महोदय, भारतीय मैंथा ऑयल एवं उद्योग एक निर्यातोन्मुख उद्योग है। देश में लगभग 25 से 30 लाख किसानों जिनमें प्रमुखतः भारतीय मैंथा उद्योग में एक खास स्थान रखने वाला मेरी लोक सभा क्षेत्र सम्भल, उत्तर प्रदेश सहित बिहार, पंजाब व मध्य प्रदेश में यह लघु व छोटे उत्पाद ही जीविका का एक मात्र साधन है। इसके निर्यात से भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा का भी अर्जन होता है। मैंथा की खेती करके किसानों द्वारा मैंथा ऑयल का उत्पादन किया जाता है जो कि बड़े पैमाने पर खाद्य पदार्थों, सौंदर्य प्रसाधनों एवं फार्मा उद्योग में एक कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाए जाते हैं। हाल ही में कुछ विदेशी कम्पनियां नई तकनीकों का प्रयोग करके पेट्रोलियम पदार्थों व केमिकलों द्वारा सिंथेटिक मैंथोल का निर्माण कर रही हैं और सिंथेटिक मैंथोल को भारतीय बाजार में प्राकृतिक मैंथोल की तुलना में काफी कम मूल्य पर बेच रही हैं। इसका दुÂप्रभाव भारतीय विदेशी विनमय पर भी पड़ा है। वित्तीय वÂर्ष 2012-13 में 5514.28 करोड़ रुपये, वर्ष 2013-14 में 4526.80 करोड़ रुपये अर्जित विदेशी मुद्रा है। इसमें भारी गिरावट आयी है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करता हूं कि किसानों और भारतीय मैंथा उद्योग के हित में सिंथेटिक मैंथोल आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। निर्यातकों को प्रोत्साहन दिया जाए और भारतीय मैंथा की उन्नत प्रजाति यथाशीघ्र उपलब्ध कराने की कृपा करें। जिससे यहां का किसान मैंथा उत्पादन में प्रति हेक्टेयर में वृद्धि होने पर बाजार की प्रतिस्पर्द्धा में कम मूल्य पर भी मैंथा ऑयल बेचकर अपने परिवार की आजीविका चला सके।